प्रश्न:

जकर्याह 12:11 में लिखा है:

“उस दिन यरूशलेम में बड़ा विलाप होगा, जैसा मगिद्दो की तराई
में हदद्रिमोन का विलाप हुआ था।”
— जकर्याह 12:11

यह विलाप किस बात का है, और इसकी तुलना हदद्रिमोन से क्यों की गई है?

हदद्रिमोन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

हदद्रिमोन इस्राएल में मगिद्दो की तराई में स्थित एक स्थान था—जो प्राचीन समय से ही बड़े-बड़े युद्धों के लिए जाना जाता है। यह स्थान विशेष रूप से यहूदा के राजा योशिय्याह की मृत्यु से जुड़ा हुआ है, जो यहूदा के सबसे धर्मी और सुधारक राजाओं में से एक था।

योशिय्याह के शासनकाल में आत्मिक जागृति आई। उसने मूर्तिपूजा

को दूर किया और देश को सच्ची उपासना की ओर लौटाया (2 राजा 23:1–25)। उसने यहोवा की वाचा को फिर से स्थापित किया और लोगों को परमेश्वर के मार्ग में चलने के लिए प्रेरित किया।

योशिय्याह की मृत्यु अचानक और अप्रत्याशित थी। वह मिस्र के राजा फिरौन नको के विरुद्ध युद्ध में गया, जबकि परमेश्वर ने उसे उस युद्ध के लिए नहीं भेजा था। बाइबल कहती है:

“उसके दिनों में मिस्र का राजा फिरौन नको अश्शूर के राजा की सहायता के लिए फरात नदी तक गया; तब राजा योशिय्याह उससे
युद्ध करने को गया, और मगिद्दो में उससे सामना होते ही फिरौन
नको ने उसे मार डाला।”
— 2 राजा 23:29

इस घटना से पूरा राष्ट्र शोक में डूब गया। भविष्यद्वक्ता यिर्मयाह और यहूदा के लोगों ने राजा योशिय्याह के लिए गहरा विलाप किया। उसका शोक पीढ़ियों तक स्मरण में बना रहा।

“यिर्मयाह ने योशिय्याह के लिए विलाप किया; और आज तक गाने वाले पुरुष और गाने वाली स्त्रियाँ अपने विलापों में योशिय्याह का उल्लेख करती हैं। यह इस्राएल में एक प्रथा बन

गई; और ये बातें विलापों की पुस्तक में लिखी हैं।”
— 2 इतिहास 35:25

इस प्रकार हदद्रिमोन एक ऐसे समय का प्रतीक बन गया जब पूरे राष्ट्र ने एक धर्मी राजा को खोने का गहरा दुःख अनुभव किया—और उसके साथ राष्ट्र की आशा भी जैसे बुझती हुई प्रतीत हुई।

जकर्याह 12 में भविष्यवाणी का अर्थ

जकर्याह 12 एक भविष्य की ओर संकेत करता है, जब इस्राएल में योशिय्याह के समय से भी कहीं अधिक गहरा और व्यापक विलाप होगा। लेकिन यह विलाप केवल ऐतिहासिक नहीं होगा—यह आत्मिक और उद्धार से जुड़ा हुआ होगा।

परमेश्वर स्वयं कहता है:

“मैं दया और प्रार्थना की आत्मा उंडेलूँगा; तब वे मेरी ओर दृष्टि करेंगे, जिसे उन्होंने बेधा है, और उसके लिए ऐसे
विलाप करेंगे जैसे कोई अपने एकलौते पुत्र के लिए विलाप करता है…”

— जकर्याह 12:10

यह भविष्यवाणी यीशु मसीह—मसीहा—की ओर संकेत करती है, जिसे इस्राएल ने अस्वीकार किया और क्रूस पर चढ़ाया (यूहन्ना 19:37)। उस दिन उनकी आँखों से परदा हट जाएगा (2 कुरिन्थियों 3:14–16), और वे यीशु को पहचानेंगे कि वही उनका सच्चा मसीहा और परमेश्वर का पुत्र है।

यह विलाप केवल किसी मरे हुए राजा के लिए नहीं होगा, बल्कि उस मसीहा के लिए होगा जिसे उन्होंने स्वयं बेधा। यह विलाप अत्यंत व्यक्तिगत और गहरा होगा—हर परिवार अलग-अलग शोक करेगा:

“देश विलाप करेगा, हर एक कुल अलग-अलग; दाऊद के घराने का कुल
अलग, और उनकी स्त्रियाँ अलग-अलग…”
— जकर्याह 12:12

यह केवल भावनात्मक दुःख नहीं होगा, बल्कि सच्चा मन फिराव होगा। इब्रानी भाषा में इसे तेशूवा कहा जाता है—अर्थात पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से परमेश्वर की ओर लौट आना।

आज हमारे लिए इसका क्या अर्थ है?

आज हम अनुग्रह के समय में जी रहे हैं—जब यीशु मसीह के द्वारा उद्धार सबके लिए खुला है (तीतुस 2:11)। लेकिन यह समय सदा नहीं रहेगा। यीशु ने चेतावनी देते हुए कहा:

“अंजीर के पेड़ से यह दृष्टांत सीखो: जब उसकी डाल कोमल हो जाती है और पत्ते निकल आते हैं, तो तुम जान लेते हो कि गर्मी निकट है।”
— मत्ती 24:32

अंजीर का पेड़ इस्राएल का प्रतीक है (यिर्मयाह 24)। 1948 में इस्राएल राष्ट्र का पुनः स्थापित होना और यहूदियों का अपनी भूमि में लौटना इस बात के संकेत हैं कि अंतकाल की घड़ी चल रही है। परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञाओं को पूरा करने की तैयारी कर रहा है।

क्या आप तैयार हैं?

सुसमाचार अब पूरी पृथ्वी में पहुँच चुका है। अगली बड़ी

भविष्यवाणी की घटना कलीसिया का उठा लिया जाना (रैप्चर) है (1 कुरिन्थियों 15:51–52)। यदि आप किसी और चिन्ह या प्रेरणा की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो यह समझ लें—समय अभी है। अवसर की खिड़की धीरे-धीरे बंद हो रही है।

“संकरे फाटक से प्रवेश करने का प्रयत्न करो; क्योंकि मैं
तुमसे कहता हूँ, बहुत से प्रवेश करना चाहेंगे, परन्तु न कर सकेंगे।”
— लूका 13:24

यदि आप उद्धार पाए हुए हैं, तो यह समय पवित्रता और तैयारी में जीने का है। यदि आप अभी तक उद्धार में नहीं आए हैं, तो एक दिन भी विलंब न करें। आज अनुग्रह उपलब्ध है—पर एक दिन, योशिय्याह के दिनों की तरह, संसार गहरे विलाप में डूब जाएगा।

पछताने वालों में नहीं, बल्कि आनन्द मनाने वालों में हों।

प्रभु हमारी आँखें खोलें, हमारे हृदयों को कोमल करें, और हमें उन समयों को पहचानने की बुद्धि दें जिनमें हम जी रहे हैं।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

GROUP....

Share on:
WhatsApp